

Object Oriented Programming Using C++

Yogesh Somwanshi

ISBN 978-93-5240-137-6



978-93-5240-137-6



Aruna Prakashan, Latur

**103, Omkar Complex-A, Khardekar Stop,
Ausa Road, Latur 413512
Mob. 9421486935, 9421371757**

```

    else if (state == OUT) {
        state = IN;
    }
}

// Read lines, words, and characters in input
int main() {
    int c, nl, nw, nc, state;

    while ((c = getchar()) != EOF) {
        nc = 0;
        if (c == '\n') {
            ++nl;
            if (c == ' ' || c == '\t') {
                state = OUT;
            } else if (state == OUT) {
                state = IN;
                ++nw;
            }
        } else if (c == ' ' || c == '\t') {
            state = OUT;
        } else {
            ++nc;
        }
    }

    printf("%d %d %d\n", nl, nw, nc);

    #include <stdio.h>

#define IN 1 /* inside a word */
#define OUT 0 /* outside a word */

// Read lines, words, and characters in input
int main() {
    int c, nl, nw, nc, state;

    while ((c = getchar()) != EOF) {
        nc = 0;
        if (c == '\n') {
            ++nl;
            if (c == ' ' || c == '\t') {
                state = OUT;
            } else if (state == OUT) {
                state = IN;
                ++nw;
            }
        } else if (c == ' ' || c == '\t') {
            state = OUT;
        } else {
            ++nc;
        }
    }

    printf("%d %d %d\n", nl, nw, nc);
}

```

Operating System

Yogesh Somwanshi

in
easy steps

ISBN 978-93-5240-138-3



978-93-5240-138-3



Aruna Prakashan, Latur

103, Omkar Complex-A, Khardekar Stop,
Ausa Road, Latur 413512
Mob. 9421486935, 9421371757



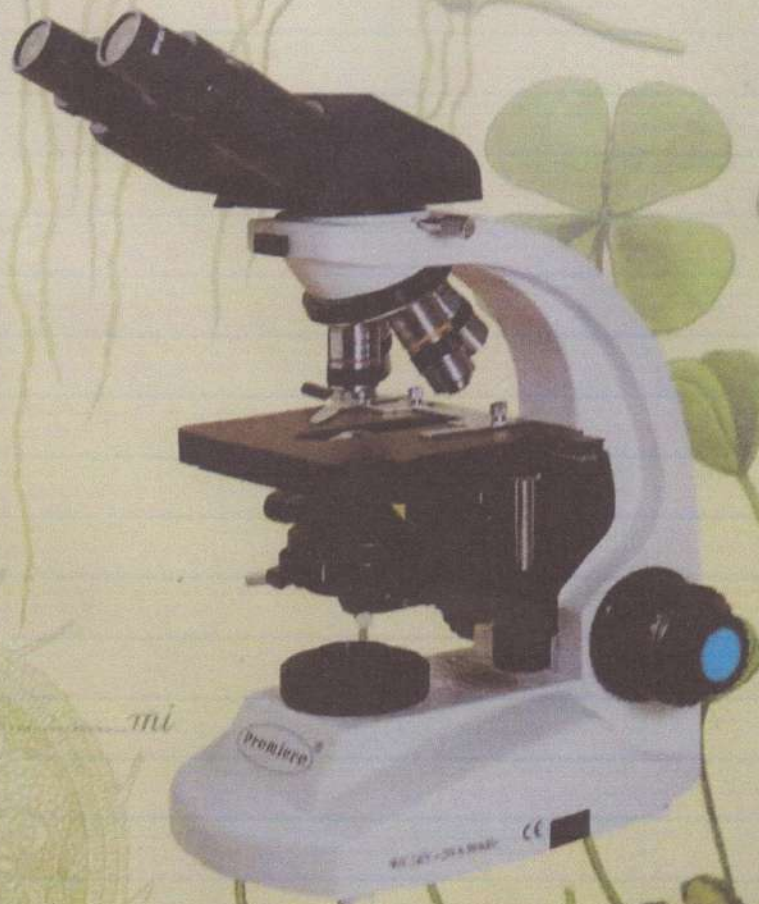
Aruna Prakashan



Practical Botany for F.Y. B.Sc.

S. R. Shinde

R. A. Kamble



Prabhakar
Publication
Latur

2

A



Dr. Surendra Raghunath Shinde is presently working in the department of Botany as Associate Professor in Baliram Patil Arts, Commerce and Commerce and Science College, Kinwat. He has completed his UG and PG from Marathwada University, Aurangabad. He has twenty seven years teaching experience at UG level. He obtained Ph.D. in 2008 from SRTMU, Nanded (M.S). He has participated UGC sponsored 25 national and international academic meets. Dr.S.R.Shinde has published 30 research papers in national and international research journals. He published a book on MCQ in Botany. He has completed two UGC sanctioned Minor Research Projects successfully. He has 12 years research experience in the field of ethnomedico-botany antimicrobial activities of regional plants. He contributed a lot in extracurricular activities and awarded as best N.S.S. programme officer by Nehru Yuva Kendra, Nanded. Apart from curricular, extracurricular and research activity, he has actively participated in Social and National Programmes conducted for various backward and tribal communities of the area through social and academic organizations.



Dr. Rajabhau Anantrao Kamble is presently working in the Department of Botany as Associate Professor in Shri Hawagiswami College, Udgir, Dist.-Latur. He has completed his UG and PG from Marathwada University, Aurangabad. He has twenty seven years of teaching experience at UG level. He has completed Ph.D. in 2007 from SRTMU, Nanded. He has 13 years of research experience in the field Taxonomy of Ascomyceteous Fungi. He has completed one UGC sponsored Minor Research Project. He has participated in 15 national and international conferences and workshops. He has published 12 research papers in peer reviewed national and international journals. He is BOS member in Botany, Swami Ramanand Marathwada University, Nanded.



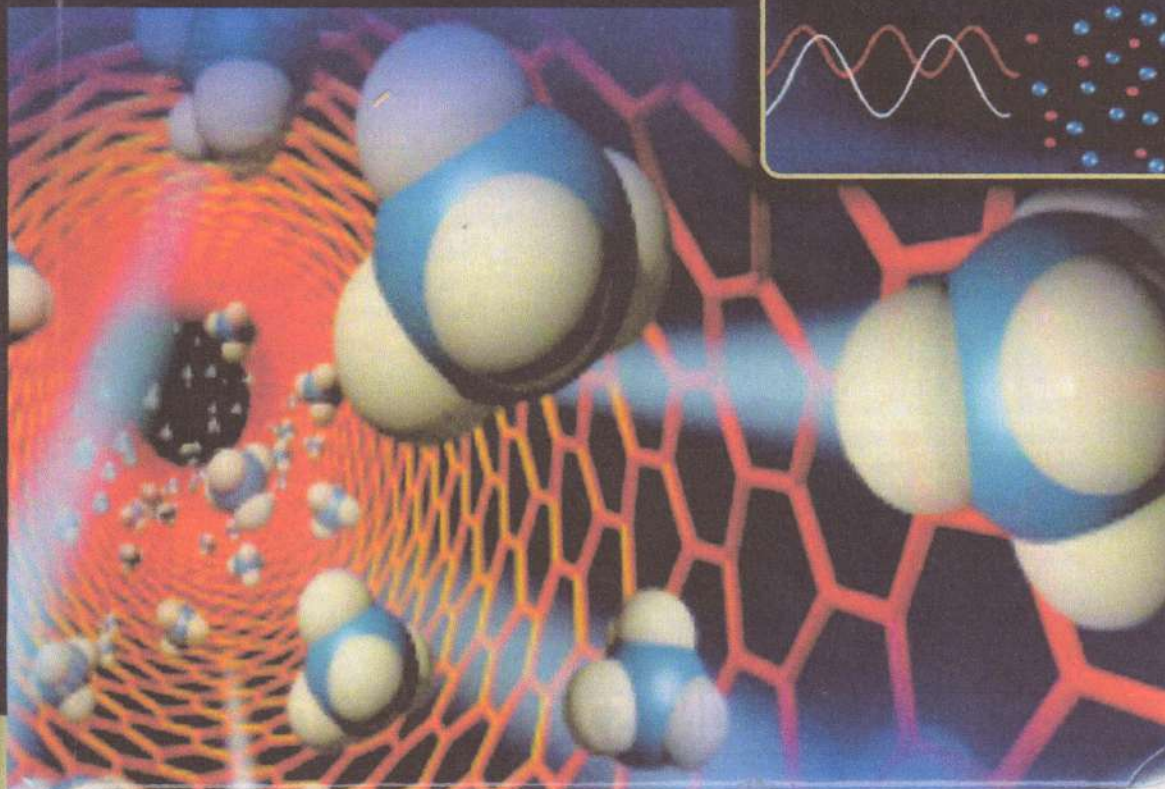
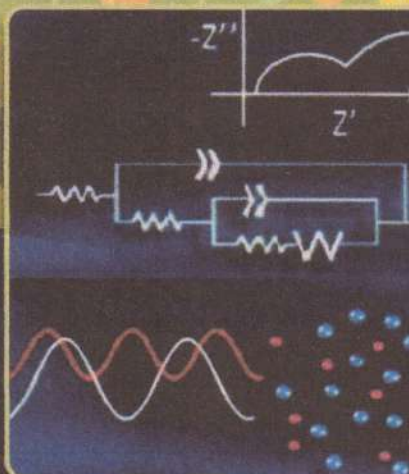
ISBN 978-93-92464-17-1



9 789392 464171

SOLID STATE PHYSICS AND ELECTRONICS

Rajkumar Mukundrao Nemmaniwar



SOLID STATE PHYSICS AND ELECTRONICS

This title "Solid State Physics and Electronics", provides a comprehensive introduction to the physical properties of crystalline solids. It explains the structure of crystals, theory of crystal diffraction and the reciprocal lattice. As the book advances, it describes different kinds of imperfections in crystals, bonding in solids, and vibration in one-dimensional monoatomic and diatomic linear lattice. Different theories of specific heat, thermal conductivity of solids and lattice thermal conductivity are thoroughly dealt with. Coverage also includes the free electron theory, band theory of solids and semiconductors. In addition, the book also describes in detail the magnetic properties of solids and superconductivity.

Contents: Crystal Structure • Bonding in Solids And X-ray Diffraction • Thermal Properties of Solids • Free Electron Theories of Metals • Semiconductors • Rectifiers • Logic Gates • Waves • Stationary Waves • Free and Forced Vibrations • Acoustics and Ultra Sonics • Magnetism in Solids • Modulation and Demodulation



Rajkumar Mukundrao Nemmaniwar is working as Associate Professor (Physics) and HOD in Baliram Patil Arts, Commerce & Science College Kinwat, Dist. Nanded. He has a teaching experience of 32 years at undergraduate levels. He has attended many seminars and conferences. He has worked on different committees at college and university levels. He has done his M.Sc. Physics from JES College, Jalna.

ISBN: 9789392193156



₹ 2195/-



Regd. Off. : 118, Chitragupt Nagar, First
Imliwala Phatak, Lalkothi, Gandhi Nagar,
Jaipur - 302 015 (INDIA)

Mob.: +917891981213

Email: apexpublicationjpr@gmail.com



डॉ. सुनील बाबुराव कुलकर्णी

संदर्भ ग्रंथ :

- कबीर और तुकाराम के काव्य में प्रगतिशील चेतना
- समकालीन साहित्य विमर्श
- सामाजिक समरसता के अग्रदूत संत कवि
- भाषिक संप्रेषण

संपादित ग्रंथ :

- संत साहित्य की आधुनिक अवधारणाएँ
- राष्ट्रभाषा हिंदी : कितनी सही कितनी प्रेरक
- भारतीय भक्ति साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक समरसता
- हिन्दी साहित्य अधुनातन आवाम
- कथेतर गद्य विचारें
- श्रेष्ठ हिन्दी एकांकी
- गीत-नवगीत संकलन

अनूदित ग्रंथ/काव्य संकलन : (मराठी से हिन्दी)

- भारतीय गाँव : अर्थ एवं राजनीति
- जनसंख्या अध्ययन : मूल्यांकन अनुसंधान
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय : व्यक्तित्व के विविध पहलू
- दोहता हूँ कविता की पालकी
- दमन

सम्प्रति :

अध्यक्ष, हिन्दी अध्ययन मंडल तथा हिन्दी विभागाध्यक्ष, कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव।
 भ्रमणध्वनी : 94222217600
 ई-मेल : sbkulkar@nmu.ac.in

एक समय था जब भाषा की पहचान साहित्य, कला, विज्ञान, संज्ञान के आधार पर होती थी आज भी कम अधिक भाषा में वही कसौटियाँ हैं परंतु भाषा के पहचान की इनमें भी अधिक महत्वपूर्ण कसौटी आज बाज़ार हो गई है। विश्वभर में इस बाज़ार की कसौटी पर सबसे अधिक खरी उतरने वाली एक मात्र भाषा हिंदी है। हिंदी भाषा ने आज सूचना और प्रायोगिकी के साथ-साथ संचार के विविध माध्यमों के प्रचार एवं प्रसार में विश्वभर में महत्वपूर्ण स्थान निर्माण किया है। यही कारण है कि आज विश्वभर के लगभग सभी विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों में हिंदी भाषा साहित्य के साथ-साथ भाषिक संप्रेषण, अनुवाद, कार्यालय, पत्रकारिता, भीड़िया, विवेका, पटकथा लेखन, प्रयोजनमूलक हिंदी आदि विविध माध्यमों के रूपों में पढ़ी और पढ़ाई जाती रही है। 'हिंदी : लेखन कौशल और प्रयोजनमूलकता' शीर्षक से उद्घृत प्रस्तुत पुस्तक का निर्माण इसी उद्देश्य के परिणाम का एक लघु प्रयास है। जिसमें भाषिक संप्रेषण : सैद्धांतिक स्वरूप, प्रयोजनमूलकता और हिंदी पटकथा, विज्ञापन का स्वरूप, समाचार लेखन और विविध माध्यम, मकदी रहित आहरण, अनुवाद का स्वरूप, अनुवाद एवं प्रयोजनमूलक हिंदी, भेट वाला - साक्षात्कार आदि विषयों पर अध्याय विस्तार प्रकाश डाला गया है।

-डॉ. सुनील कुलकर्णी

हिंदी : लेखन कौशल विकास और प्रयोजनमूलकता

डॉ. अर्मिला पाटील,
 डॉ. सुनील कुलकर्णी, डॉ. गजानन वानखेडे



हिंदी

लेखन कौशल विकास और प्रयोजनमूलकता

डॉ. अर्मिला पाटील
 डॉ. सुनील कुलकर्णी
 डॉ. गजानन वानखेडे

जन्म : 01 जून, 1975 (एक जून उन्नीस सौ पचाहत्तर)

शिक्षा : एम.ए., एम. फिल, पीएच.डी. सेट,

प्रकाशित पुस्तकें :

- * कबीर और तुकाराम के काव्य में प्रगतिशील चेतना, विकास प्रकाशन, कानपुर
- * समकालीन साहित्य विमर्श, साधना प्रकाशन, परभणी।
- * होरपल (मराठी काव्य संकलन) सागर प्रकाशन, परभणी।
- * सामाजिक समरसता के अग्रदूत संत कवि, विकास प्रकाशन, कानपुर।

संपादित पुस्तकें :

- * संत साहित्य की आधुनिक अवधारणाएँ, अतुल प्रकाशन, कानपुर।
 - * "राष्ट्रभाषा हिन्दी : कितनी सही कितनी प्रेरक", शैलजा प्रकाशन, कानपुर।
 - * भारतीय भक्ति साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक समरसता, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।
 - * हिन्दी साहित्य : अधुनातन आयाम, विकास प्रकाशन कानपुर।
 - * अनूदित पुस्तक : (मराठी से हिंदी में अनूदित)
 - * दोहता हूँ कविता की पालकी, रोली प्रकाशन कानपुर।
 - * दमन, साहित्य निकेतन प्रकाशन विजयनगर उत्तरप्रदेश।
 - * भारतीय गीत : अर्थ एवं राजनीति - यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नाशिक
 - * जनसंख्या अध्ययन : मूल्यांकन अनुसंधान - यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नाशिक
 - * संपत्ति : हिन्दी विभागाध्यक्ष, उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव-425001
- संपर्क : 09422217600
ई-मेल : sbkulkarni@nmu.ac.in



विकास प्रकाशन, कानपुर

टेलीफैक्स : 0512-2543549

मो. : 9415154156, 9450057852

E-mail : vikasprakashankanpur@gmail.com

Website : www.vikasprakashan.com



डॉ. सुनील बाबुराव कुलकर्णी
(देशगढ़ाणकर)

हिंदी साहित्य : अधुनातन आयाम

डॉ. कुलकर्णी, डॉ. वानखेड़े



₹ 550.00

सम्पादक

डॉ. सुनील बाबुराव कुलकर्णी (देशगढ़ाणकर)

डॉ. गजानन सुरेश वानखेड़े



**हिंदी साहित्य
अधुनातन आयाम**

श्रमिकांचे कैवारी : अण्णाभाऊ साठे

संपादक :

डॉ. पंजाब लक्ष्मणराव शेरे



श्रमिकांचे कैवारी अण्णाभाऊ साठे

संपादक

डॉ. पंजाब लक्ष्मणराव शेंरे
प्रमुख, मराठी विभाग
बळीराम पाटील कला,
वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, किनवट



ISSN: 2454 – 7905

SJIF Impact Factor 2022: 7 . 479

Worldwide International Inter Disciplinary Research Journal

A Peer Reviewed Referred Journal

Quarterly Research Journal

(Arts-Humanities-Social Sciences- Sports, Commerce, Science, Education, Agriculture, Management, Law, Engineering,
Medicine-Ayurveda, Pharmaceutical, MSW, Journalism, Mass Communication, Library sci., Faculty's)

www.wiidrj.com

Vol. I

ISSUE - LIII

Year – 7

20 Jan. 2022

"समकालीन मराठी साहित्य : स्वरूप आणि प्रेरणा"

:: संपादक ::

डॉ. पंजाब लक्ष्मण शेंदे

मराठी विभागप्रमुख

बळीराम पाटील कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, किनवट जि. नांदेड.

Address for Correspondence

Editor in Chief : Mrs. Pallavi Laxman Shete

Principal, Sanskriti Public School, Nanded.(MH. India) Email: Shrishprakashan2009@gmail.com

Director : Mr. Tejas Rampurkar

(For International contact only +91-8857894082)

House No.624 - Belanagar, Near Maruti Temple, Taroda (KH), Nanded – 431605 (India -

Maharashtra) Email: Shrishprakashan2009@gmail.com umbarkar.rajesh@yahoo.com

Mob. No: +91-9623979067 Website: www.wiidrj.com

हिंदी : लेखन कौशल विकास और प्रयोजनमूलकता

डॉ. उर्मिला पाटील
डॉ. सुनील कुलकर्णी
डॉ. गजानन वानखेडे

यश पब्लिकेशंस
दिल्ली-110032

ISBN : 978-93-81130-00-2

प्रथम संस्करण : 2020

© डॉ. उर्मिला पाटील
डॉ. सुनील कुलकर्णी
डॉ. गजानन वानखेडे

मूल्य : ₹ 395/-

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशक या लेखक की लिखित अनुमति के बिना इसके किसी भी अंश को, फोटोकॉपी एवं रिकॉर्डिंग सहित इलेक्ट्रॉनिक अथवा मशीनी, किसी भी माध्यम से, अथवा ज्ञान के संग्रहण एवं पुनर्प्रयोग की प्रणाली द्वारा, किसी भी रूप में, पुनरुत्पादित अथवा संचारित-प्रसारित नहीं किया जा सकता।

प्रकाशक : यश पब्लिकेशंस
1/10753, सुभाष पार्क, नवीन शाहदरा
दिल्ली-110032 (भारत)

विक्रय कार्यालय :
23, अंसारो रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002

संपर्क : +91-9599483885, 86, 87, 88
ई-मेल : info@yashpublications.co.in
वेबसाइट : www.yashpublication.co.in
Available at : amazon.in, flipkart.com

मुद्रक : नागरी प्रिंटर्स, दिल्ली

शुभाशंसा

भाषा संपर्क का सशक्त माध्यम है। हिंदी संपर्क भाषा, माध्यम भाषा, जनभाषा के रूप में उभर रही है। संचारभाषा के रूप में भी हिंदी का अपना विशेष स्थान है। वैश्विक भाषाओं के मूल्यांकन से ज्ञात होता है कि विश्व की भाषाओं में आज हिंदी दूसरे स्थान पर है। उद्योग, व्यवसाय, पर्यटन, कार्यालयीन कामकाज, विधि कामकाज आदि के लिए हिंदी भाषा की आवश्यकता अनिवार्य रूप में प्रतीत होती है। संचार की प्रगति ने व्यक्ति से व्यक्ति को, व्यक्ति से समाज को, समाज से व्यक्ति को और समाज से समाज को जोड़ने का काम किया है। इसमें भाषा की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। सूचना और प्रौद्योगिकी की दौड़ में जहाँ हिंदी भी पूरी क्षमता के साथ जनभाषा से विश्वभाषा की ओर आगे बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में प्रयोजनमूलक हिंदी की जानकारी सभी के लिए आवश्यक है।

प्रारंभ में केवल भाषा, विचारों की अभिव्यक्ति का, विचारों के आदान-प्रदान का साधन था, किंतु आज बदलते परिप्रेक्ष्य में भाषा रोजगार का भी साधन बन गयी है। पटकथा लेखन, विज्ञापन, विभिन्न माध्यमों के लिए समार लेखन, अनुवाद जैसे क्षेत्रों का ज्ञान रोजगार प्राप्ति का साधन बन गया है। प्रस्तुत पुस्तक में कौशल विकास के साथ प्रयोजनमूलक हिंदी की जानकारी दी गयी है। जो उच्च शिक्षा ग्रहण करनेवाले छात्रों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे व्यावसायिकों के लिए लाभप्रद सिद्ध होगी, इसका मुझे विश्वास है। पारंपरिक पाठ्यक्रम में सुधार लाकर छात्रों को रोजगार के साधन उपलब्ध करानेवाले क्षेत्रों का ज्ञान छात्रों के भविष्य को सँवार सकता है। इस दृष्टि से डॉ. उर्मिला पाटील, डॉ. सुनील कुलकर्णी, डॉ. गजानन वानखेडे जी द्वारा संपादित 'हिंदी : लेखन कौशल विकास और प्रयोजनमूलकता' पुस्तक के लिए संपादक मंडल का अभिनंदन करता हूँ और भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ।

डॉ. जोगेंद्रसिंह विसेन

प्र-कुलपति

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

जागतिकीकरणाचे मराठी भाषा आणि साहित्या पुढील आव्हाने व उपाय

संपादक
प्रा.यु.पी. सुपारे
मराठी विभाग प्रमुख

* प्रकाशक *

प्र.प्राचार्य प्रा.एस.जी. तळणीकर
तोष्णीवाल कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, सेनगांव
जि.हिंगोली

फोन : (०२४५६) २०२४६५, २५०४६२

www.toshniwalacs.com | E-mail : prin.taccs212@rediffmail.com

प्रथम आवृत्ती : ०४ जानेवारी २०२०

ISBN : 978-1-79482-974-9

* मुद्रक *

महेश ऑफसेट, परभणी

मूल्य : २५०/-

या पुस्तकातील सर्व शोधनिबंध लेखकाची मौखिल परवानगी ग्राह्य धरूनच हे शोधनिबंध एकत्रित करण्यात आले असून, त्या मतांशी संपादक व प्रकाशनक सहमत असतीलच असे नाही.

या पुस्तकाचे सर्व अधिकार प्रकाशनाधीन असून या पुस्तकातील कोणताही मजकूर, तक्ता किंवा तत्सम संकल्पना यांची कोणत्याही प्रकारे नक्कल करणे किंवा यांत्रिकी साधनांनी फोटो कॉपी, रेकॉर्डिंग करणे कायद्याने गुन्हा असून असे आढळून आल्यास तात्काळ कारवाई करण्यात येईल.

PRUDENCE

**Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)
for English Communication**

A Textbook

Prepared as per CBCS Pattern for UG Second Year

Prescribed by

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded
Maharashtra, India

Board of Editors

Dr Mahesh M Nivargi (Chief Editor)

Dr Manisha B Gahelot

Dr Prashant M Mannikar

